पिलानी में देर रात तक लगे ठहाके

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पिलानी. सद्भावना समिति की ओर से रविवार रात को बीके प्लाजा में राजस्थानी भाषा के कवि भागीरथ सिंह भाग्य के सम्मान में समिति का 26वां हास्य कवि सम्मेलन हुआ। इस मौके पर समिति की ओर से कवि भागीरथ सिंह भाग्य को एक लाख रुपए का चेक प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। कवि सम्मेलन में काव्य पाठ करते हुए पिलानी के कवि राजकुमार राज ने शहीदे आजम भगत सिंह पर खड़ी है मौत द्वारे पर मगर मगरुर है कैसा, फिरंगन देखने आई छलकता नूर है कैसा., वो जिसको खौफ ना मरने का वो औकात क्या होती.., वो मेमें देखने आई मरद की जात क्या होती सुनाकर जोश भरा। जयपुर से आए कवि सुरेंद्र सिंह पाड़ौसी ने मत दो शिक्षा तुम बच्चों को, चांद-सितारे छूने की, चांद-सितारे छूने वाले, छू-मंतर हो जाएंगे, पढ़ा सको तो पाठ पढ़ाओ, उन्हें चरण छू लेने का, जो मिट्टी से जुड़े रहेंगे, रिश्ते वही निभाएंगे। कविता सुनाकर दाद बटौरी। भीलवाड़ा से आए राजस्थानी गीतकार राजकुमार बादल ने मरवा मौगरां की सौरम, रोम-रोम में रमी, जद सू देख्यों थाने, म्हारी घूम री जमी.. सुनाकर वाहवाही बटोरी। लाडनूं से आए हास्य कवि केशर देव मारवाडी ने अपने बीच शहर में बंगलो दीजे, बीएम डब्ल्यू गाड़ी, मझ कमाऊ बीबी दीजे, होवे भले ही जाड़ी सुनाकर श्रोताओं को खूब हंसाया।

पिलानी. कवि सम्मेलन में कवि भागीरथ सिंह भाग्य का एक लाख रुपए का चेक प्रदान कर उनका सम्मान करते समिति पदाधिकारी व अन्य।

खाटू श्याम जी से आए कवि गजेंद्र कविया ने बेटियों के बाप का अंतस दहा होगा..., हौसला हर कन्या का भी तो ढहा होगा, नेता बोले बलात्कार का मजा लूटो.., सुना जो उसकी बेटी ने, तो क्या कहा होगा सुनकर सभी को भावविभोर कर दिया। सीकर के हरिओम पारीक ने बेटा और बहुआं मिलकर बाप को बगीचो सींच दियो..., आपकी ही जामण को गळो भींच दियो.. कविता सुनाकर तालिया बटौरी। वहीं बीएल सावन, पिलानी की सुमनलता शर्मा आदि ने भी काव्य पाठ किया। संचालन करते हुए नवलगढ़ के हास्य कवि हरीश हिंदुस्तानी ने अपने हास्य-व्यंग्य चुटकियों से श्रोताओं को खूब हंसाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीरी के निदेशक डा. पीसी पंचारिया ने की। मुख्य अतिथि बिरला सार्वजनिक अस्पताल निदेशक डा. मधुसूदन मालानी थे। समिति के नथमल स्वामी, विनोद आलड़िया, पृथ्वी सिंह शेखावत, सत्यवीर जांगिड़, गोकुल प्रसाद बाठोलिया समेत अन्य ने कवियों व अतिथियों का सम्मान किया।